आओ चलें सम्पूरणता की ओर

❍ 22 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ❍

⇛ TOTAL MARKS:- 100 ⇚

✺ शिवभगवानुवाच :-

➳ _ ➳ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

∬1∬स्वमान का अभ्यास (Marks-10)

➢➢ **मैं महान आत्मा हूँ ।**

∬2∬गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks-10)

➢➢ **द्रिड संकल्प रुपी व्रत द्वारा वृतियों का परिवर्तन**

∬3∬बाबा से संबंध का अनुभव(Marks-10)

➢➢ **सर्जन**

∬4∬ होमवर्क (Marks- 7*5=35)

【✓】 इमानदारी से °सर्जन बाप° को अपनी बीमारी सुनाई ?

【✓】 अपने आप से बातें की यह जो कुछ हम देखते हैं यह सब °विनाश° होना है ?

【✓】 "हम अपने घर जायेंगे फिर °सुखधाम° में जायेंगे" - यह स्मृति में रहा ?

【✓】 °ठंडाई व नम्रता° से रूहानी सर्विस की ?

【✓】 °पवित्रता° के व्रत को प्रतिज्ञा के रूप में धारण किया ?

【✓】 "हम °आत्मा भाई-भाई° हैं" - यह स्मृति में रहा ?

【✓】 मुख पर °ड्रिड संकल्प का बटन° लगा व्यर्थ से बचे रहे ?

✺ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

➳ _ ➳ बापदादा आप चैतन्य दीपकों को देख कितने खुश हो रहे हैं । वाह दीप वाह! आप सबको भी अपना स्वरूप दीपक की रोशनी स्वरूप दिखाई दे रहा है ना । बापदादा को तो बहुत अच्छा जगते हुए दीपक नम्बरवार तो हैं लेकिन जगे हुए दीपकों की सभा देख कितनी खुशी हो रही है । वाह जगे हुए दीपक वाह! सदा जागती ज्योत, भक्त कितना प्यार से याद करते हैं और बापदादा अपने सामने दीपकों को देख खुश हो रहे हैं वाह दीप वाह! आप सबने मिलकर विश्व के अन्दर दीप जगाये हैं और जगाते रहेंगे । तो बापदादा क्या देखते हैं! चैतन्य दीपकों को देख बहुत खुश हो रहे हैं वाह बच्चे वाह! वाह दीपक वाह!

∬5∬ विशेष अभ्यास (Marks-15)

➢➢ सदा जागती ज्योत बनकर रहे ? विश्व के अन्दर दीप जगाने में अपना सहयोग दिया ?

∬6∬ ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

➢➢ वृतियों का परिवर्तन करने के लिए द्रिड संकल्प रुपी व्रत का पालन करना क्यों आवश्यक है ?

❋ द्रण संकल्प रुपी व्रत ही हमारे आत्म बल को बढाता है |

❋ द्रण संकल्प का बल ही हमें किसी भी कार्य में एकाग्रचित होने का बल देता है ।

❋ द्रण संकल्पों की शक्ति से ही हम बाकी सभी शक्तियों का आह्वान करते हैं ।

❋ द्रण संकल्प से ही हम स्वराज्य अधिकारी कि सीट पर सेट रह सकते है |

❋ द्रण संकल्प करने से हमारा हर कर्म, बोल, संकल्प, स्वास पर डबल अटेंशन रहता है |

❋ द्रण संकल्प ही माया को अन्दर ना घुसने देने का डबल लॉक है |

❋ द्रणता के बल से ही हमारा अलबेलापन,आलस्य समाप्त होगा |

∬7∬ ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

➢➢ व्यर्थ से बचने के लिए मुख पर दृढ़ संकल्प का बटन लगाना क्यों जरूरी है?

❋ मुख पर द्रिड संकल्प का बटन रखने से हम व्यर्थ वाणी से बचे रहेंगे ।

❋ हम अधिक से अधिक मौन में रह पायेंगे । और मौन शक्ति संचय का और शक्तियों को नष्ट होने से बचाने का महान स्रोत हैं ।

❋ कम बोलो धीरे बोलो मीठा बोलो की धारणा का दृढ़ता से पालन करने से हम बहुत से व्यर्थ के स्वभाव संस्कार की उलझन से सेफ रहते हैं ।

❋ हम अधिक से अधिक समर्थ संकल्प कर पाते हैं ।

❋ इससे हम बहुत से विघनो को टाल बहुत से व्यर्थ कर्मों से बच अपने समय को व्यर्थ जाने से बचा पाते हैं ।

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

♔ ॐ शांति ♔